पाठ 3 - नादान दोस्त

पष्ठृ संख्या:24

प्रश्न अभ्यास

कहानी से

1. के शवऔर श्यामा केमन मेंअडों◌ं को देखकरतरह-तरह केसवाल क्यों उठतेथे?

उत्तर

के शवऔर श्यामा केमन मेंअडों◌ं को देखकरतरह-तरह केसवाल इसललए उठतेहोगेंक्योंलक उन्होंनेऐसा पहले कभी नहीं देखा था। वेअडों◌ं केबारेमेंजानना चाहतेथे।

2. अडों◌ं केबारेमेंदोनों आपस ही मेंसवाल-जवाब करकेअपनेलदल को तसल्ली क्यों देलदया करतेथे?

उत्तर

के शवऔर श्यामा दोनों आपस ही मेंसवाल-जवाब करकेअपनेलदल को तसल्ली देलदया करतेथेक्योंलक उनके

प्रश्नों का उत्तर देनेवालाकोई नहीं था। न अम्मा को घर केकाम-धधोंं सेफ़ुरसत थी न बाबूजी को पढने-ललखने से।

3. अडोंं केटूट जानेकेबाद माँकेयह पछनूपर लक - 'तमुलोगों नेअडोंं को छुआ होगा।' केजवाब मेंश्यामा नेक्या कहा और उसनेऐसा क्यों लकया?

उत्तर

माँकेपछनूपर श्यामा नेकहा लक भइया नेअडोंं को छेड़ाथा क्योंलक उसेलगा भइया नेही शायद अडोंं को इस तरह रख लदया लक वह नीचेलगर पड़े।इसकी उसेसजा लमलनी चालहए।

4. पाठ केआधार पर बताओ लक अडेंगदेंक्यों हुए और उन अडों ं का क्या हआु?

उत्तर

के शवकेछूनेसेलचलड़या केअडेंगदेंहो गए और इसललए लचलड़या नेउन्हेंनहीं सेया।लचलड़या नेउन अडों ं को लगरा लदया और वेबबाादहो गए।

पष्ठृ सख्यां: 25

5. सही उत्तर क्या है?

अडों ं की देखभालकेललए के शवऔर श्यामा धीरेसेबाहर लनकलेक्योंलक -

(क) वेमाँकी नींद नहीं तोड़ना चाहतेथे।

(ख) माँनहीं चाहती थीं लक वेलचलड़यों की देखभालकरें।

(ग) माँनहीं चाहती थीं लक वेबाहर धपू मेंघमें।ू

► (ग) माँनहीं चाहती थीं लक वेबाहर धपू मेंघमें।ू

6. के शवऔर श्यामा नेलचलड़या और अडों ं की देखभालकेललए लकन तीन बातों का ध्यान रखा?

उत्तर

के शवऔर श्यामा नेलचलड़या और अडों ं की देखभालकेललए उनकेआराम का, धपू सेबचानेका और खानेका ध्यान रखा। आराम केललए कपड़ा लबछाया, धपू सेबचानेकेललए टोकरी सेढक लदया और खानेकेललए पास में दान और पानी की प्याली रखी।

7. कालनासपर अडों ं को देखकरके शवऔर श्यामा केमन मेंजो कल्पनाएँआई ं और उन्होंनेचोरी-चपक्रेजो क्रुछ कायालकए, क्या वेउलचत थे? तकासलहत उत्तर ललखो।

उत्तर

कालनासपर अडों को देखकरके शवऔर श्यामा केमन मेंजो कल्पनाएँआई
ंऔर उन्होंनेचोरी-चपकेुजो कुछ कायालकए, वेअनलचतु थे।वेमदद तो करना
चाहतेथेपरन्त ुउनकेपास जानकाररयों का अभाव था इसललए
उन्होंनेलजतनेभी कायालकये, वो गलत थे।

8. पाठ सेमालमू करो लक माँको हाँसीक्यों आई? तम्हारी ुसमझ सेमाँको क्या करना चालहए था?

उत्तर

माँको बच्चों की नादानी व अज्ञानता पर हाँसीआ गई। मेरीसमझ सेमाँको हाँसनेकेबजाय उन्हेंसमझाना चालहए था तालक वो भलवष्य मेंइन सब चीज़ों केप्रलत सतकारहें।

कहानी सेआगे

3. माँकेसोतेही के शवऔर श्यामा दोपहर मेंबाहर क्यों लनकल आए? माँकेपछनेूपर भी दोनों मेंसेलकसी ने लकवाड़ खोलकर दोपहर मेंबाहर लनकलनेका कारण क्यों नहीं बताया?

उत्तर

म ाँके सोतेही के शवऔर श्य म दोपहर मेंचिड़िय के अंडोके लिए टोकरी और द न -प नी रखनेके लिए ब हर ननकि आए। बत नेपर उन्हेंपपट ई क डर थ इसलिए म ाँके पछनेूपर भी दोनों मेंसेककसी नेककव ि खोिकर दोपहर मेंब हर ननकिनेक क रण नहींबताया।

4. प्रेमचदं नेइस कहानी का नाम 'नादान दोस्त' रखा। तमुइसेक्या शीर्ाकदेनाचाहोगे?

उत्तर

'नादानी'

पष्ठृ सख्यां: 26

भाषा की बात

1. नीचेलदए गए वाक्यों मेंतीनों प्रकार केपरुर्वाचकु सवानामोंकेनीचेरेखाखींचो -

एक लदन दीप ुऔर नील ुुयमना्ुतट पर बैठेशाम की ठंडी हवा का आनद लेरहेथे? तभी उन्होंनेदेखालक एक लबां आदमी लड़खड़ाता हआु उनकी ओर चला आ रहा है।पास आकर उसनेबड़ेदयनीय स्वर मेंकहा "मैंभखू सेमरा जा रहा ह ?ाँक्या आप मझेुकुछ खानेको देसकतेहै?"

उत्तर

एक लदन दीप ुऔर नील ुुयमना्ुतट पर बैठेशाम की ठंडी हवा का आनद लेरहेथे? तभी उन्होंनेदेखालक एक लबां आदमी लड़खड़ाता हआु उनकी ओर चला आ रहा है।पास आकर उसनेबड़ेदयनीय स्वर मेंकहा "म ैंभखू सेमरा जा रहा ह ?ाँक्या आप मझ्ुेकुछ खानेको देसकतेहै?"

पष्ठृ सख्यां: 27

2. तगड़ेब
च्चे
मसालेदार
सब्जी बड़ा
अडां

इसमेंरखालकतं शब्द क्रमश: बच्चे, सब्जी और अडां की लवशेर्तायानी गणुबता रहेहैंइसललए ऐसेलवशेर्णोंको

गणवाचकु लवशेर्णकहतेहैं।इसमेंव्यलि या वस्त ुुकेअच्छे-बरुेहर तरह केगणुआतेहैं।तमुचार गणवाचकु लवशेर्णललखो और उनसेवाक्य बनाओ।

उत्तर

अच्छा - दीपक एक अच्छा लड़का है।

कीमती - यह गाडी बहतु कीमती है।

बड़ा - यह बक्सा बड़ा है।

लम्बा - यह रास्ता लम्बा है।

3. नीचेकुछ प्रश्नवाचक वाक्य दिए गए हैं,उन्हेंदबना प्रश्नवाचक वाक्य वेरूप मेंबिलो -

1. अडेंलकतनेबडे होंगे? ▶
अडेंबड़ेहोंगे।

2. लकस रंग केहोंगे? ▶ उनकेरंग बताओ।

3. लकतनेहोगें?

▶ उनकी सख्यां बताओ।

4. क्या खातेहोंगे?

▶ उनका खाना बताओ।

5. उनमेंसेबच्चेलकस तरह लनकल आएँगे? ▶ उनमेंसेबच्चेलनकलेंगे।

6. बच्चों केपर कै सेलनकलेंगे?

▶ बच्चों केपर लनकलेंगे।

7. घोंसला कै साहै?

▶ घोसलों केबारेमेंबताओ।

4. (क) के शवनेझझलाकराँ ु कहा...

(ख) के शवरोनी सरतू बनाकर बोला...

(ग) के शवघबराकर उठा..

(घ) के शवनेटोकरी को एक टहनी सेलटकाकर कहा...

(ड) श्यामा नेलगड़लगड़ाकर कहा...

ऊपर ललखेवाक्यों मेंरखालकतं शब्दों को ध्यान सेदेखो।येशब्द रीलतवाचक लक्रयालवशेर्ण का काम कर रहेहैं

क्योंलक येबतातेहैंलक कहने, बोलनेऔर उठनेकी लक्रया कै सेहई। 'कर' वालेशब्दों केलक्रयालवशेर्णहोनेकी एक पहचान यह भी हैलक येअकसर लक्रया सेठीक पहलेआतेहैं।अब तमुभी इन पाँचलक्रयालवशेर्णोंका वाक्यों मेंप्रयोग करो।

उत्तर

(क) झझलाकराँ ु - श्याम नेझझलाकराँ ु बैटफेंदी।क

(ख) बनाकर - उसनेकागज़ का हवाई जहाज़ बनाकर उड़ाया।

(ग) घबराकर - मोलहत घबराकर भाग गया।

(घ) टीकाकर - सलमतु बैटको घटनों ु सेलटकाकर बातेंकरनेलगा।

(ड़) लगड़लगड़ाकर - लभखारी लगड़लगड़ाकर भीख माँगनेलगा।

5. नीचेप्रेमचदं की कहानी 'सत्याग्रह' का एक अशं लदया गया है।तमुइसेपढ़ोगेतो पाओगेलक लवराम लचहों के लबना यह अशं अधरा ू-सा है।तमुआवश्यकता केअनसारु उलचत जग़हों पर लवराम लचन्ह लगाओ -

उसी समय एक खोमचेवालाजाता लदखाइलदया 11 बज चकुेथेचारों तरफ सन्नाटा छा गया था पलडतं जी ने बलाया ु खोमचेवालेखोमचेवालाकलहए क्या द ा ँ ूभखू लग आइन अन्न-जल छोड़ना साधअु ंका काम हैहमारा आपका नहीं मोटेरामअबेक्या कहता हैयहाँक्या लकसी साध ूसेकम हैंचाहेंतो महीनेपड़ेरहेंऔर भखू न लगे तझेुतो के वलइसललए बलाया ु हैलक ज़रा अपनी कुप्पी मझेुदेदेख ा ँ ूतो वहाँक्या रेंगरहा हैमझेुभय होता है

उत्तर

उसी समय एक खोमचेवालाजाता लदखाइलदया 11 बज चकुेथे, चारों तरफ सन्नाटा छा गया था। पलडतं जी ने बलाया ु-खोमचेवालेखोमचेवालाकलहए क्या द? ा ँ ूभखू लग आइन। अन्न-जल छोड़ना साधअु ंका काम है; हमारा आपका नहीं। मोटेराम! अबेक्या कहता है? यहाँक्या लकसी साध ूसेकम हैं।चाहेंतो महीनेपड़ेरहेंऔर

भखू न लगे।तझुेतो के वलइसललए बलाया़◌ु हैलक जरा अपनी क़ुप्पी
मझुेदे।देख ◌ा◌ँ◌ूतो वहााँक्या रेंगरहा है? मझुे भय होता है।